हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, मंगलवार 1 सितंबर 2026

04 कक्षाओं से लेकर पेयजल-शौचालय...



07 5 किमी की दूरी, 3 घंटे की ड्रामा बाजी, पंचर का...



खबर संक्षेप

दिव्यांगों को बस किराए में 50 प्रतिशत छूट

सीहोर। राज्य शासन ने प्रदेश की सभी प्रक्रम बस सेवाओं में दिव्यांग व्यक्तियों को 50 प्रतिशत छूट देने के निर्देश दिए हैं। दिव्यांग व्यक्ति को यूडीआईडी कार्ड दिखाने पर यह छूट मिलेगी। परिवहन आयुक्त द्वारा सभी क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिएग गए हैं। दिव्यांग व्यक्ति को दिव्यांगजन सक्षम प्राधिकारी के प्रमाण-पत्र के रूप में केन्द्र या राज्य शासन द्वारा जारी यूनीक डिसऐबिलिटीज आई.डी. कार्ड प्रस्तुत करने पर किराये में 50 प्रतिशत छूट का लाभ दें। केन्द्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा यूनीक आई.डी. फॉर पर्सन विद डिसऐबिलिटीज (यूडीआईडी) प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसमें दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड दिये जा रहे हैं। कार्ड के माध्यम से दिव्यांग केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। यूडीआईडी कार्ड निर्माण में मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है।

बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन 2 को

सीहोर। बलराम जयंती के उपलक्ष्य में 2 सितम्बर को जनपद पंचायत स्तर पर बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के सफल आयोजन के लिए वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड स्तर को नोडल अधिकारी तथा बी.टी.एम. आत्मा को सहायक नोडल अधिकारी नामांकित किया गया है। नोडल अधिकारी द्वारा संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर विकासखंड स्तर पर मंडी प्रांगण अथवा उपयुक्त स्थान का चयन करते हुए अधिक से अधिक कृषकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। महोत्सव में पारंपरिक कृषि कलाओं के साथ आधुनिक कृषि उपकरण एवं यंत्र, उन्नत बीज तथा प्राकृतिक खेती से संबंधित प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी।

बलराम जयंती और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर होंगे अनेक आयोजन

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के ने जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक आयोजित कर राज्य शासन के निर्देशानुसार बलराम जयंती 2 सितम्बर के अवसर पर बलराम कृषि महोत्सव के तहत कृषि संबंधी पारंपरिक कला रूपों की विशेष प्रस्तुतियों के साथ आधुनिक कृषि उपकरण एवं बीज और प्राकृतिक खेती केन्द्रित प्रदर्शनी, सह-संवाद जैसी गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर 4 सितम्बर को जिले में कृष्ण मंदिरों,मठों, देवालयों का विशेष श्रृंगार एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता अभियान, मटकी सज्जा प्रतियोगिता, मटकी फोड़ प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्थानीय कलाकारों द्वारा बांसुरी वादन, भजन गायन, झांकी (श्रीकृष्ण जन्म, वृंदावन, गोवर्धन पूजा, गीता उपदेश जैसी जीवंत झांकियां, दीप-प्रज्ज्वलन एवं सामूहिक आरती जैसी गतिविधियाँ आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर कलेक्टर बृजेश सक्सेना, संयुक्त कलेक्टर रविन्द्र परमार, एसडीएम तन्मय वर्मा, स्वाती मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर गिरिराज परिहार सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर बोले: अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों में संवेदनशीलता और तत्परता से कार्रवाई करें, जनपद-सीएमओ को सख्त हिदायत

टीएल: संबल में विलंब पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी, श्रम अधिकारी को थमाया नोटिस

कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि संबल योजना के हितग्राही मुख्य रूप से श्रमिक वर्ग से जुड़े होते हैं, जिन्हें शासन की सहायता की बहुत आवश्यकता होती है। ऐसे में पात्र हितग्राहियों के आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित रखना गंभीर लापरवाही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना की समीक्षा के दौरान लंबित आवेदनों का निराकरण नहीं होने पर कलेक्टर बालागुरू के. ने नाराजगी व्यक्त करते हुए श्रम अधिकारी को फटकार लगाई। उन्होंने लंबित प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर श्रम अधिकारी को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबल योजना से संबंधित सभी लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि संबल योजना के हितग्राही मुख्य रूप से श्रमिक वर्ग से जुड़े होते हैं, जिन्हें शासन की सहायता की बहुत आवश्यकता होती है। ऐसे में पात्र हितग्राहियों के आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित रखना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर मिले और किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी नियमित रूप से लंबित प्रकरणों की समीक्षा करें और निर्धारित समय-सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए श्रमिक परिवारों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर बृजेश सक्सेना, संयुक्त कलेक्टर रविन्द्र परमार, एसडीएम तन्मय वर्मा, स्वाती मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर गिरिराज सिंह परिहार सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा की

कलेक्टर ने अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति ऐसे परिवारों से जुड़े प्रकरण होते हैं, जिन्हें कठिन परिस्थितियों में आर्थिक एवं सामाजिक सहारे की आवश्यकता होती है। इसलिए पात्र आवेदकों के प्रकरणों में अनावश्यक विलंब नहीं किया जाए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमों के अनुरूप यथासंभव जल्द से जल्द प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

न्यायालयीन प्रकरणों में समय-सीमा का रखें ध्यान

कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागों से जुड़े न्यायालयीन प्रकरणों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में न्यायालय द्वारा आदेश जारी किए गए हैं, उनमें आदेशों का समय पर पालन कराया जाए। अधिकारी न्यायालयीन मामलों की नियमित समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता बरतें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि न्यायालय के आदेशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी, जिससे अवमानना की स्थिति उत्पन्न हो।

फार्मर रजिस्ट्री कार्य में तेजी लाने के निर्देश

कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए कि पटवारियों द्वारा की जा रही फार्मर रजिस्ट्रेशन कार्य की नियमित समीक्षा करें। सभी पटवारियों के लिए लक्ष्य निर्धारित कर शीघ्र सभी पात्र किसानों की फार्मर आईडी बनाई जाए, ताकि उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष कैंप लगाए जाएं।

निर्माण कार्यों की वन विभाग से अनुमति जल्द लें

कलेक्टर ने सभी निर्माण विभागों को निर्देशित किया कि वन क्षेत्रों में होने वाले निर्माण कार्यों के लिए संबंधित वन अधिकारियों से समन्वय कर आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करें। उन्होंने कहा कि अनुमति के लिए प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहें और विभाग आपसी समन्वय से कार्यवाही करें। इससे निर्माण कार्य समय पर प्रारंभ किए जा सकेंगे और विकास कार्यों को गति मिलेगी।

जन विश्वास अभियान में शिविर में ही करें आवेदनों का निराकरण

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर ने अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर शिविरों में ग्रामवासियों की समस्याएं एवं आवेदन प्राप्त करने तथा अधिक से अधिक प्रकरणों का शिविर में ही निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य तभी सार्थक होगा, जब आमजन को मौके पर ही त्वरित समाधान और शासन की सेवाओं का लाभ मिल सके।

कुबेरेश्वरधाम पर आस्था के साथ मनाया जाएगा जन्माष्टमी महोत्सव

मुरली मनोहर मंदिर में होगा श्रृंगार, चांदी के झूले में विराजेंगे भगवान, राधा नाम संकीर्तन से गूंजेगा धाम

सीहोर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम पर सावन के बाद भादो में भी श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति का क्रम लगातार जारी है। रविवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे शिवभक्त भी शामिल रहे, जो शहर के सीवन नदी के तट से कांवड़ में पवित्र जल लेकर पैदल कुबेरेश्वरधाम पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। तेज धूप के बावजूद श्रद्धालुओं के कदम नहीं रुके। कांवड़ यात्रियों के मुख से श्री शिवाय नमस्तुभ्यं, हर-हर महादेव और जय महादेव के जयघोष गूंजते रहे। कांवड़ लेकर धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य सेवादारों ने स्वागत एवं सम्मान किया। समिति की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी सहित अन्य सेवा व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं।



भादो में भी जारी रहेगा कांवड़ यात्रा का क्रम

सावन माह का कांवड़ मेला समाप्त होने के बाद भी सीवन नदी से कुबेरेश्वरधाम तक कांवड़ लेकर आने का सिलसिला जारी है। श्रद्धालु पवित्र जल लेकर भगवान शिव के दरबार में पहुंच रहे हैं। धाम पर आने वाले भक्तों का कहना है कि भगवान शिव के प्रति आस्था और विश्वास ही उन्हें कठिन पैदल यात्रा पूरी करने की ऊर्जा देता है। धाम को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष आस्था है। यहां आने वाले भक्त कंकर-शंकर की पूजा-अर्चना के साथ भगवान शिव के दर्शन कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

चार सितंबर को जन्माष्टमी महोत्सव, रात 12 बजे तक होंगे दर्शन : विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी कुबेरेश्वरधाम पर जन्माष्टमी महोत्सव गुरुदेव के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में सादगी और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। चार सितंबर शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से रात 12 बजे तक श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी के अवसर पर रात्रि 7 बजे कल्लू जी महाराज का विशेष अभिषेक एवं श्रृंगार दर्शन होंगे। इसके बाद रात्रि 8 बजे चांदी के झूले में विराजमान भगवान मुरली मनोहर के दिव्य दर्शन कराए जाएंगे। वहीं रात्रि 9 बजे राधा नाम संकीर्तन का आयोजन होगा।

जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर धाम में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दर्शन, पूजा-अर्चना और सेवा से जुड़ी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर देश-विदेश में लाइन दर्शन का आयोजन किया जाएगा।

खाली प्लॉट में दिखा मगरमच्छ, दहशत के बाद वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी, पकड़ने का प्रयास जारी

सीहोर। जिले के बुधनी में सोमवार को वार्ड क्रमांक-4 स्थित अदालत कॉलोनी में हड़कंप मच गया। बारिश के बाद जलभराव वाले एक खाली प्लॉट में मगरमच्छ दिखाई दिया। मगरमच्छ को पानी में तैरते देख आसपास के रहवासियों में दहशत फैल गई। लोगों ने छतों से इसका वीडियो बनाया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

मगरमच्छ दिखने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने वन विभाग को जानकारी दी। वन परिक्षेत्र अधिकारी रजित द्विवेदी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वन अमले को तत्काल क्षेत्र में निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। वन विभाग की टीम मगरमच्छ की गतिविधियों पर



नजर रख रही है और उसे सुरक्षित पकड़ने का प्रयास कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इससे पहले भी बुधनी घाट रोड पर एक खेत में मगरमच्छ दिखा था, जिसे पकड़ने में वन विभाग को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। अब वार्ड नंबर 4 में मगरमच्छ दिखने से कॉलोनी के रहवासियों में डर का माहौल है।

लोगों का मानना है कि बारिश में जलभराव वाले क्षेत्रों में मगरमच्छ पहुंच जाते हैं। वन विभाग ने स्थानीय लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। अधिकारियों ने सलाह दी है कि लोग पानी से भरे खाली प्लॉट या जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें। मगरमच्छ दिखने पर उसके करीब न जाएं और तुरंत वन विभाग को सूचित करें। विभाग का अमला मगरमच्छ को जल्द सुरक्षित पकड़ने की कार्रवाई में जुटा है।

नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर बोले - रक्षाबंधन का पर्व भारतीय संस्कृति का प्रतीक

बहनें बोलीं : रक्षाबंधन का यह आयोजन इसी आत्मीय रिश्ते और विश्वास को और मजबूत करने का माध्यम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर





सोमवार को रक्षाबंधन का पर्व सामूहिक रूप से मनाया गया। नगर की विभिन्न वार्डों से आई महिलाओं और बालिकाओं ने नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर और पार्षदों को राखी बांधी। इसके बाद नगर परिषद अध्यक्ष राठौर, भाजपा नेताओं, नगर पालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों के पार्षदों ने भी राखी बांधते हुए मुंह मीठा कराया।

इस मौके पर बड़ी संख्या आई बहनों को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष राठौर ने कहा कि शहर के विकास के साथ महिलाओं को सशक्त करने के लिए यह सामूहिक आयोजन हर साल की तरह इस साल भी नगर पालिका के द्वारा किया गया है। शहर की बहन-बेटियों का स्नेह और आशीर्वाद उनके लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत है। रक्षाबंधन का यह आयोजन इसी आत्मीय रिश्ते और विश्वास को और मजबूत करने का माध्यम है।

नपाध्यक्ष राठौर ने समग्र विकास का वादा करते हुए कहा कि मातृ शक्ति के स्वाभिमान और सम्मान के लिए काम करेंगे। सामूहिक रक्षाबंधन पर्व मनाने की परंपरा है। बहनों के प्रति समर्पण के भाव भारत की संस्कृति में छुपे हुए हैं।

भारत के अलावा किसी अन्य देश में परिवार और रिश्तों को इतना महत्व नहीं दिया जाता। कलाई में बंधी राखी की डोरी के कारण कई भाईयों ने अपनी बहनों की रक्षा के लिए प्राण तक त्याग दिए। रक्षा बंधन का पर्व भारतीय संस्कृति का प्रतीक है।

महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य : इस मौके पर नपाध्यक्ष राठौर ने कहाकि नगर पालिका के सभी पार्षद, हमारे अधिकारी और कर्मचारियों के द्वारा महिला सशक्तिकरण को लेकर कार्य करते आ रहे है। भाजपा सरकार की अनेक योजना लाडली बहना योजना सहित अन्य योजनाओं से महिलाएं सशक्त हो रही है।

रक्षा बंधन पर्व बना सद्भाव का प्रतीक : शहर के विभिन्न वार्डों से सैकड़ों की संख्या में पहुंची महिलाओं ने रक्षा बंधन का पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया, इस मौके पर मुस्लिम महिलाओं ने पार्षदों और नपाध्यक्ष राठौर की कलाई पर राखी बांधी।

पावर हाउस चौराहे पर 5 लाख की सीसी रोड का लोकार्पण

विकास कार्यों को लेकर नगर सरकार प्रतिबद्ध



सीहोर। नगर में लगातार विकास कार्यों को गति देते हुए सोमवार को पावर हाउस चौराहे पर वार्ड क्रमांक 18 में 5 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण किया गया। यह सड़क सोनू चतुर्वेदी के घर से पंकज के घर तक बनाई गई है। सड़क निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और लंबे समय से महसूस की जा रही सड़क की आवश्यकता पूरी हुई है। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना नगर पालिका की प्राथमिकता है। सड़क, नाली, पेयजल और प्रकाश जैसी आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि विकास का लाभ शहर के हर वार्ड और हर नागरिक तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद सीहोर विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रही है। नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से लेते हुए आवश्यकतानुसार विकास कार्य स्वीकृत कराए जा रहे हैं। आने वाले समय में भी नगर के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की श्रृंखला जारी रहेगी। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 18 के पार्षद प्रदीप गौतम, सहित वार्ड क्रमांक 18 के अनेक नागरिक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। नगरवासियों ने सीसी रोड निर्माण के लिए नगर पालिका का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क बनने से क्षेत्र में आवागमन बेहतर होगा और स्थानीय नागरिकों को काफी सुविधा मिलेगी।

खबर संक्षेप

गड्ढों में तब्दील मंडी रोड पुल के नीचे पानी और ऊपर से हादसे का डर

भैरुंदा। तहसील की ग्राम पंचायत मंडी को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। मंडी नहर चौराहा से रेलवे पुल तक करीब आधा किलोमीटर सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं। सड़क उखड़ चुकी है। राहगीरों को परेशानी हो रही है। अतरौलिया चौराहा तक कई जगह सड़क 5 से 6 इंच तक उखड़ गई है। सड़क धंस भी चुकी है। वाहन चालकों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। हादसे का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों बोले सड़क कई जगह ऊंची-नीची हो गई है। दोपहिया वाहन चालकों को सावधानी से निकलना पड़ता है। रात में स्थिति ज्यादा गंभीर हो जाती है। गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्से साफ नजर नहीं आते। वाहन अनियंत्रित होने से हादसे की आशंका रहती है। ग्रामीणों बोले सड़क प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी थी। रखरखाव नहीं होने से हालत लगातार बिगड़ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से क्षतिग्रस्त हिस्सों की जल्द मरम्मत की मांग की है। रेलवे पुल के नीचे जलभराव का स्थायी समाधान भी मांगा है। इंजीनियर दीपक सक्सेना ने कहा, हर महीने मरम्मत करवाता हूं। मैं देखता हूं। रेलवे पुल के नीचे जलभराव सबसे बड़ी समस्या रेलवे पुल के नीचे जलभराव भी बड़ी समस्या है। करीब 100 फीट हिस्से में बारिश के बाद पानी भर जाता है।

कॉलेज गेट पर 2 घंटे तालाबंदी, कर 17 मांगों पर गरजे विद्यार्थी किया प्रदर्शन

कक्षाओं से लेकर पेयजल-शौचालय तक व्यवस्थाओं पर एबीवीपी का प्रदर्शन, बड़े आंदोलन की चेतावनी

एसडीएम के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, पर्याप्त प्राध्यापक, पुस्तकालय, कैंटीन, पार्किंग, सीसीटीवी और बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा





शासकीय महाविद्यालय में विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं और शैक्षणिक व्यवस्थाओं को लेकर सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मोर्चा खोल दिया। 17 सूत्रीय मांगों को लेकर परिषद कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों ने कॉलेज के मुख्य गेट पर करीब दो घंटे तक तालाबंदी कर धरना दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नारेबाजी करते हुए कॉलेज की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग उठाई। प्रदर्शन के कारण कॉलेज परिसर में काफी देर तक गहमागहमी का माहौल रहा।

प्रदर्शन की सूचना मिलने पर एसडीएम सुधीर कुशवाह के निर्देश पर नायब तहसीलदार रामदास गोरले कॉलेज पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद एसडीएम के नाम नायब तहसीलदार को 17 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। एबीवीपी ने दो दिन में उनकी मांगे पूरी नहीं होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

पढ़ाई से जुड़ी व्यवस्थाओं पर सवाल

विद्यार्थियों ने नियमित कक्षाओं के संचालन और विषयवार पर्याप्त प्राध्यापकों की व्यवस्था की मांग प्रमुखता से उठाई। उनका कहना है कि शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। इसके साथ ही कॉलेज के पुस्तकालय में पर्याप्त पाठ्य और संदर्भ पुस्तकें उपलब्ध कराने की मांग भी की गई।

ज्ञापन में छात्रवृत्ति और विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाने तथा आवेदन प्रक्रिया में सहायता के लिए विद्यार्थी सहायता केंद्र शुरू करने की मांग शामिल है।

स्वच्छ पानी- साफ़ शौचालय व कैंटीन शुरू करने की मांग की

एबीवीपी ने कॉलेज में स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था, साफ-सुथरे शौचालय और नियमित सफाई व्यवस्था की मांग उठाई। विद्यार्थियों ने प्राथमिक उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के साथ कैंटीन शुरू करने तथा वाहनों की पार्किंग के लिए व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने की मांग भी रखी।

दो दिन का समय, नहीं मानी मांगें तो आंदोलन

प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी पदाधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर लगातार मांग उठाई जा रही है। परिषद ने प्रशासन को दो दिन का समय देते हुए कहा कि यदि मांगों के निराकरण की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो छात्र-छात्राओं को साथ लेकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी भाग संयोजक सौरभ पंवार सहित परिषद कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

सीसीटीवी और बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक

कॉलेज परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विद्यार्थियों ने सवाल उठाए। ज्ञापन में परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा बाहरी एवं असामाजिक तत्वों के प्रवेश पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की गई। विद्यार्थियों ने ड्रेस कोड और पहचान-पत्र की व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने की मांग भी रखी।

ऑनलाइन रिकॉर्ड में कॉलेज का नाम सुधारने की मांग: एबीवीपी ने विश्वविद्यालय पोर्टल सहित संबंधित ऑनलाइन रिकॉर्ड में कॉलेज का नाम स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय, भैरूंदा सही रूप से दर्ज कराने की मांग की। परिषद का कहना है कि नाम संबंधी विसंगति रहने से विद्यार्थियों को प्रवेश, परीक्षा और अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं में परेशानी हो सकती है।

जायज मांगों का जल्द होगा निराकरण

एसडीएम सुधीर कुशवाह ने बताया कि एबीवीपी की ओर से विद्यार्थियों की 17 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया है। विद्यार्थियों की जायज मांगों के संबंध में कॉलेज प्राचार्य को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। समस्याओं का जल्द निराकरण करने की कार्रवाई की जाएगी।

सीप नदी में युवक डूबा, एसडीआरएफ ने सर्चिंग अभियान चलाया

भाई ने बचाने के लिए नदी में लगाई छलांग, लेकिन गहरे पानी में पहुंचने से नहीं बचा सका, स्थानीय गोताखोरों ने भी तीन घंटे तक की तलाश

भैरूंदा। थाना भैरूंदा क्षेत्र के ग्राम गिल्लोर में सोमवार सुबह सीप नदी में एक 28 वर्षीय युवक के डूबने से हड़कंप मच गया। युवक नदी के गहरे पानी में चला गया, जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने उसे बचाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। टीम ने नदी में सर्चिंग अभियान शुरू किया, जो देर शाम तक करीब आठ घंटे से लगातार जारी था। हालांकि देर शाम तक युवक का पता नहीं चल सका था।

पुलिस के अनुसार ग्राम पंचायत गिल्लोर निवासी नीरज पिता बासुदेव परते (28) सोमवार सुबह करीब 10 बजे घर से निकला था। परिजनों के मुताबिक वह पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। इसी दौरान वह गांव के पास बह रही सीप नदी की ओर पहुंचा और नदी में चला गया। कुछ ही देर में वह गहरे पानी में चला गया और दिखाई देना बंद हो गया।

भाई ने भी नदी में छलांग लगाकर बचाने का किया प्रयास : नीरज के नदी में जाने की जानकारी मिलते ही उसके भाई धीरज परते ने उसे बचाने के लिए तत्काल नदी में छलांग लगा दी। धीरज के मुताबिक उसने भाई को पानी में जाते देखा था और उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन नीरज तब तक नदी के गहरे हिस्से में पहुंच चुका था। काफी प्रयास के बाद भी उसका पता नहीं चल सका। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय गोताखोर भी मौके पर पहुंचे। गोताखोरों ने करीब तीन घंटे तक नदी में युवक की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद एसडीआरएफ टीम ने सर्चिंग अभियान की कमान संभाली।



भैरूंदा । थाना प्रभारी घनश्याम दांगी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।



भैरूंदा । स्थानीशय गोताखोरों सर्चिंग करते हुए।

गांव में चल रहा था रसोई का कार्यक्रम, बाद में मिली घटना की जानकारी : परिजनों ने बताया कि सोमवार को गांव में उनके घर के पास रसोई का कार्यक्रम चल रहा था। कार्यक्रम में रिश्तेदार और मेहमान मौजूद थे। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने परिवार को जानकारी दी कि एक युवक नदी में चला गया है। सूचना मिलते ही परिवार के लोग नदी की ओर पहुंचे, लेकिन तब तक नीरज गहरे पानी में जा चुका था। घटना की जानकारी फैलते ही नदी किनारे ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। परिजन युवक के मिलने की उम्मीद में काफी देर तक नदी किनारे मौजूद रहे।

पिता बोले- कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान था बेटा: नीरज के पिता बासुदेव परते ने बताया कि उनका बेटा नीरज पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान था और ठीक से सो भी नहीं रहा था। पिता के अनुसार दो दिन पहले ही वे नीरज को उपचार के लिए एक व्यक्ति के पास लेकर गए थे। सोमवार सुबह वह अचानक घर से निकल गया।

परिवार के लोगों को बाद में उसके नदी की ओर जाने की जानकारी मिली। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी घनश्याम दांगी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल एसडीआरएफ को सूचना दी। टीम के जवानों ने मौके पर पहुंचकर नदी में सर्चिंग शुरू की। नदी में करीब 20 फीट पानी की गहराई को देखते हुए सर्चिंग में टीम को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। एसडीआरएफ के जवानों ने नदी के संभावित स्थानों पर लगातार तलाश की। देर शाम तक करीब आठ घंटे की सर्चिंग के बावजूद युवक का पता नहीं चल सका था। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम लगातार अभियान में जुटी रही।

थाना प्रभारी बोले, सर्चिंग लगातार जारी : थाना प्रभारी घनश्याम दांगी ने बताया कि युवक के नदी में डूबने की सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी। एसडीआरएफ टीम को बुलाकर सर्चिंग अभियान शुरू कराया गया है। नदी में युवक की तलाश लगातार की जा रही है।

आदित्य राज सोनी की सफलता रेहटी के युवाओं के लिए प्रेरणादायी: योग गुरु महेश अग्रवाल

मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से खेल प्रतिभाएं बनती हैं देश की पहचान

रेहटी। नगर के होनहार युवा कराटे खिलाड़ी आदित्य राज सोनी ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए रेहटी का नाम गौरवान्वित किया है। छोटी उम्र में खेल के क्षेत्र में हासिल की गई उनकी उपलब्धियाँ क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणादायी बन रही हैं। आदित्य राज सोनी ने 30 अगस्त 2026 को सेंट जोसेफ को-एड स्कूल, कोलार रोड, डी-मार्ट के पास आयोजित डब्ल्यूएफएसकेओ कराटे जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से उनकी पदक यात्रा में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ गया। परिवार, गुरुजनों एवं शुभचिंतकों ने उनकी सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

वर्तमान में कक्षा 12वीं कॉमर्स के विद्यार्थी आदित्य ने विभिन्न कराते प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अब तक 2 स्वर्ण, 2 रजत एवं 3 कांस्य पदक हासिल किए हैं। उनकी खेल यात्रा में पचमढ़ी ट्रॉफी, मुलुंड, मुंबई में आयोजित प्रतियोगिता, 16वीं मध्य प्रदेश राज्य डब्ल्यूएफएसकेओ ओपन कराते प्रतियोगिता-2025, मांडू तथा



डब्ल्यूएफएसकेओ नेशनल कराटे चैंपियनशिप-2025, भोपाल जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। कराते जैसे कठिन खेल में निरंतर अभ्यास और मानसिक संतुलन की आवश्यकता होती है। आदित्य ने अपने प्रदर्शन से यह साबित किया है कि लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प, अनुशासन और नियमित मेहनत के माध्यम से कम उम्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। उनकी सफलता में परिवार का निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन भी महत्वपूर्ण रहा है। आदित्य के पिता भुवनेश सोनी रेहटी के स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष एवं सक्रिय समाजसेवी हैं। वे अपने पुत्र की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हैं और उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रोत्साहित करते हैं। आदित्य के दादा स्वर्गीय श्री सुरेश चंद्र सोनी रेहटी के सम्मानित शिक्षक रहे हैं। परिवार से मिले संस्कार और प्रोत्साहन ने आदित्य के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर योग गुरु महेश अग्रवाल ने कहा कि आदित्य राज सोनी की उपलब्धियाँ केवल उसके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे रेहटी क्षेत्र के लिए गौरव की बात हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी खेलों के प्रति प्रेरणा मिलेगी। खेल केवल पदक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, अनुशासन, एकाग्रता और व्यक्तित्व निर्माण का श्रेष्ठ साधन भी है।

उन्होंने आदित्य को उनकी उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि आदित्य भविष्य में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर और भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर रेहटी, मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। नगरवासियों एवं शुभचिंतकों ने भी आदित्य राज सोनी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

संकल्प वृद्धाश्रम में छह दिवसीय कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का शुभारंभ

सीहोर। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प वृद्धाश्रम में छह दिवसीय कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। हर साल की तरह इस वर्ष भी वृद्धाश्रम में जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव के दौरान आश्रम परिसर में प्रतिदिन भजन-कीर्तन, धार्मिक प्रवचन और भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की जाएगी। आगामी 4 सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर विशेष प्रसादी का वितरण भी किया जाएगा।

जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर वृद्धाश्रम परिसर में तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। आश्रम में निवासरत वृद्धजनों के साथ क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं की सहभागिता से आयोजन को धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाने की तैयारी की जा रही है। महोत्सव के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके



उपदेशों और मानव जीवन में प्रेम, करुणा, सद्भाव एवं सेवा के महत्व पर भी चर्चा की जाएगी। महोत्सव की तैयारियों के संबंध में संकल्प वृद्धाश्रम एवं संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र के संचालक राहुल सिंह ने शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर के संत माधवदास महाराज तथा सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट सहित अन्य अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर चर्चा की गई और कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता को लेकर विचार-विमर्श किया गया। संचालक राहुल सिंह ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन के माध्यम से पूरी मानवता को प्रेम, सद्भाव, कर्म, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी मनुष्य को धैर्य और विश्वास बनाए रखना चाहिए। उनके उपदेश आज भी समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 4 सितंबर को जन्माष्टमी का पर्व है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संकल्प वृद्धाश्रम में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

128 वर्ष की आयु में ब्रह्मलीन हुए संत परमानंद परमहंस महाराज

नर्मदा तट पर संत-महात्माओं की उपस्थिति में दी समाधि, श्रद्धालुओं ने अर्पित किए श्रद्धासुमन





रेहटी। संत परमानंद परमहंस महाराज रविवार दोपहर 3 बजे 128 वर्ष की आयु में ब्रह्मलीन हो गए। उन्होंने बरमान घाट के समीप स्थित अपने आश्रम में भौतिक शरीर त्यागा। गुरुदेव के ब्रह्मलीन होने का समाचार मिलते ही क्षेत्र सहित प्रदेश और देश-विदेश में उनके अनुयायियों में शोक की लहर दौड़ गई।

सोमवार को पवित्र मां नर्मदा के तट पर संत-महात्माओं की उपस्थिति में विधि-विधान से गुरुदेव को समाधि दी गई। समाधि अवसर पर क्षेत्रीय विधायक रमाकांत भार्गव सहित विभिन्न जिलों से पहुंचे धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के प्रमुख लोगों और हजारों श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के अंतिम दर्शन कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। महामंडलेश्वर सहित बड़ी संख्या में संत-महात्माओं की उपस्थिति में समाधि की प्रक्रिया संपन्न हुई। संत परमानंद परमहंस महाराज ने देश के विभिन्न क्षेत्रों और जंगलों में कठिन तपस्या की थी। इसके बाद उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से भक्तों को अध्यात्म से जोड़ने का कार्य किया। रुद्र धाम आश्रम में चलने वाली भंडारा और सेवा की परंपरा उनके लोककल्याण की भावना का प्रतीक रही। आश्रम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसाद की निस्वार्थ व्यवस्था की जाती थी।

गुरुदेव के आशीर्वाद से उनके शिष्य संत बजरंग गिरि महाराज ने भी सेवा और साधना की परंपरा को आगे बढ़ाया। बरमान घाट, मोगरा, मर्दानपुर, रमगढ़ा सहित रायसेन जिले के विसेर गांव में आश्रमों का निर्माण किया गया है, जहां द्वादश लिंग की स्थापना का कार्य जारी है। गुरुदेव को आयुर्वेद का भी विशेष ज्ञान था और वे जरूरतमंदों को विभिन्न रोगों के उपचार के लिए आयुर्वेदिक औषधियों के संबंध में मार्गदर्शन देते थे। उनके ब्रह्मलीन होने से भक्तों और संत समाज में गहरा शोक है।

महर्षि अरविंद जयंती के अवसर पर व्याख्यानमाला का आयोजन

राष्ट्र की सेवा हमारा धर्म : भारत सोनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

मप्र जन अभियान परिषद, सीहोर द्वारा महर्षि श्री अरविंद जयंती के अवसर पर जिलास्तरीय व्याख्यानमाला का आयोजन शास. आवासीय खेलकूद संस्थान, सीहोर के सभाकक्ष में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारत सोनी, शिक्षाविद्, पारुल उपाध्याय, जिला समन्वयक, प्रदीप सिंह सेंगर, बीलू भिलवारे, हरिराम अहिरवार, इन्दर सिंह निकुम विकासखण्ड समन्वयक, म.प्र. जन अभियान परिषद सीहोर उपस्थित रहे।

महर्षि श्री अरविन्द के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात अतिथिगण का परिचय एवं स्वागत पारुल उपाध्याय, जिला



समन्वयक द्वारा करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य एवं विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

मुख्य अतिथि भारत सोनी ने कहा कि महर्षि श्री अरविंद ने देशहित में कई कार्य किए हैं। महर्षि श्री अरविंद स्वतंत्रता के अग्रदूत, क्रांतिकारी, कवि, लेखक, दार्शनिक, ऋषि, मंत्रद्रष्टा एवं महान योगी, बंगाल के महान क्रांतिकारियों में से एक थे। कोलकाता में 15 अगस्त 1872 में महर्षि अरविंद घोष का जन्म और 5 दिसंबर 1950 को पुडुचेरी मे निधन हो गया था।

महर्षि ने उस समय की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा आईसीएस पास कर ली थी, किन्तु विदेशियों की नौकरी की अपेक्षा स्वाधीनता के लिए कार्य किया। उनका मत था कि भारत को भारतीय बनकर ही बनाया और बचाया जा सकता है। महर्षि अरविंद ने कहा कि वेद, पुराण का अध्ययन कर स्वदेशी को अपनाएं। हमे स्वदेशी सामान का अधिक से अधिक उपयोग कर देशहित में अपना योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन राजपाल परमार एवं आभार इन्दर सिंह निकुम द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था, प्रस्फुटन समिति, सीएमसीएलडीपी मेंटर्स, छात्र, समाजसेवी आदि सम्मिलित रहे।

सिविल अस्पताल में लापरवाही की हदें पार, परिजन शव को घर ले जाने तड़पते रहे

5 किमी की दूरी, 3 घंटे की ड्रामा बाजी, पंचर का बहाना बनाकर बस स्टैंड पर घूमता रहा शव वाहन चालक





हरिभूमि न्यूज ⏭ ब्यावरा

स्थानीय सिविल अस्पताल से मानवता को शर्मसार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। परिजन शव को घर ले जाने के लिए तड़पते रहे वहीं दूसरी ओर शव वाहन का ड्राइवर घंटे भर शहर में तफरी मारता रहा। शनिवार रात ब्यावरा बरखेड़ा निवासी वैजन्ती अहिरवार की अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें रात करीब 9 बजे सिविल अस्पताल ब्यावरा लेकर पहुँचे थे। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अगले दिन रविवार सुबह 8:30 बजे पोस्टमार्टम होने के बाद परिजनों को उम्मीद थी कि अब वे सम्मानपूर्वक शव को घर ले जा सकेंगे लेकिन असली प्रताड़ना तो इसके बाद शुरू हुई।

झूठ की झड़ी 5 किलोमीटर जाने में लगे 3 घंटे

पोस्टमार्टम के बाद सुबह 8:30 बजे शव वाहन का ड्राइवर बंटी कटारियाखेड़ी निवासी राहुल सौंधिया छोड़ने निकला था। अस्पताल से कटारियाखेड़ी की दूरी महज 5 किलोमीटर है लेकिन ड्राइवर बंटी 3 घंटे तक गायब रहा। सुबह 9:30 बजे परिजनों ने फोन किया तो बंटी ने बोला कि अभी में शव छोड़ने आया हूँ यहाँ लोग गाड़ी से को शव उतार नहीं रहे हैं। 15-20 मिनट में आता हूँ। सुबह 10:00 बजे 1 घंटा बीतने पर परिजनों ने दोबारा संपर्क किया तो बंटी ने बोला कि अभी गाड़ी का टायर पंचर हो गया है पंचर बनवाकर आ रहा हूँ। सुबह 11:00 बजे तक ड्राइवर पंचर जुड़वाने का ही ड्रामा रचता रहा और परिजन अस्पताल में बेबस खड़े रहे।

खाकी को भी दे डाला चकमा, सायरन बजाकर घूमता रहा शहर में

हद तो तब हो गई जब परिजनों ने बंटी को सायरन बजाते हुए अस्पताल की तरफ से तहसील कार्यालय की ओर तेज रफ्तार में जाते देखा। पूछने पर फिर वही रटा-रटाया जवाब दिया कि किसी और शव को छोड़ने जा रहा हूँ।हैरानी की बात यह है कि सुबह 11:30 बजे बंटी शव वाहन को लेकर बस स्टैंड पर सरेआम घूमता देखा गया।पुलिस ने बंटी को फोन लगाया तो उस बेखौफ ड्राइवर ने पुलिस के सामने भी वही टायर पंचर का घिसा-पिटा बहाना दोहरा दिया। आखिरकार परिजनों को अपने निजी वाहन से शव को ले जाना पड़ा अपने गांव बरखेडा।

पोस्टमार्टम के नाम पर सामान मंगवाने का गंभीर आरोप

अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल यहीं खत्म नहीं होते। परिजनों ने डॉक्टरों पर भी बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम करने के लिए उनसे बाजार से 3 डिब्बे और 3 से 4 मीटर काली पन्नी मंगवाई। सरकारी अस्पताल में सुविधाओं के नाम पर परिजनों से सामान मंगवाना और फिर शव वाहन चालक का यह असंवेदनशील रवैया अस्पताल प्रबंधन पर कई बड़े सवाल खड़े करता है। पीड़ित परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले में लापरवाही बरतने वाले डॉक्टरों और मनमानी करने वाले शव वाहन चालक बंटी पर तत्काल और कड़ी से कड़ी सख्त कार्रवाई की जाए!

इनका कहना है...

आपसे जानकारी प्राप्त हुई है मामले की मैं अभी जांच करवाता हूं, इसमें ड्राइवर के अलावा जिनके द्वारा भी लापरवाही की गई होगी उन पर कार्रवाई की जाएगी।

- गिरीश कुमार मिश्रा
कलेक्टर राजगढ़।

गो-सेवकों की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई

लखनवास रोड पर गोवंश से भरी पिकअप पकड़ी 4 बछड़े बरामद कर 3 तस्करों को गिरफ्तार किया



हरिभूमि न्यूज ⏭ ब्यावरा/लखनवास

मलावर थाना क्षेत्र के लखनवास रोड पर एक गौ वंष से भरा पीकअप वाहन को गौ सेवकों के सहयोग से पुलिस ने पकड़ी है। पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 12 जेडके 4206 जप्त किया जिसमें 4 गाय-बछड़े (गोवंश) हाथ-पैर बांधकर क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंस कर भरे हुए थे। शनिवार रात करीब 10:30 बजे सहायक उप निरीक्षक मनोहर साहू हमराह स्टाफ देवीसिंह, प्रेमसिंह, दीपक व्यास, सैनिक राहुल शर्मा के साथ इलाके में भ्रमण पर ग्राम आगर पहुंचे थे। तभी लखनवास के गौ-सेवकों से सूचना मिली कि कुंडिखेड़ा लखनवास की तरफ से एक पिकअप गौवंश भरकर ब्यावरा की तरफ जा रही है। सूचना की तस्दीक के लिए गौ-सेवकों को साथ लेकर चैकी प्रभारी राजू वर्मा लखनवास-मलावर रोड, ग्राम सुंदरपुरा पर घेराबंदी की गई। कुछ देर बाद कुंडिखेड़ा तरफ से आती पिकअप को चेक किया तो उसमें 4 गौवंश क्रूरतापूर्वक भरे मिले।

आरोपियों से खलेंगे क्षेत्र में सक्रिय गो तस्करों के राज

इस मामले में पीकअप वाहन के साथ पकड़े गए आरोपी में सोनू पिता मांगीलाल यादव, जिला खंडवा, जितेन्द्र बडोले पिता एलान सिंह, जिला खंडवा और दुधराम देवडे पिता केरू देवडे, जिला बुरहानपुर शामिल है। इसमें पकड़े गए आरोपियों का कहना है क्षेत्र का एक अज्ञात व्यक्ति हमारे संपर्क में था उसके कहने पर हम यहां आते हैं। वह हमसे एक मोटी रकम के बदले यहा से यह काम करवाते है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ म.प्र. गौ-वंश वध,क्रूरता प्रतिषेध अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर गौवंश व वाहन को जप्त कर लिया है।

पुलिस कर रही नेटवर्क की जांच

पुलिस अब यह जांच कर रही है कि इन तस्करों को क्षेत्र में कौन बुलाता है और किसके इशारे पर ये लोग यहां गो-तस्करी करने आते हैं। पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। आरोपियों ने बताया कि सबसे ज्यादा गौ तस्कर राजगढ़ जिले से ही हमे करवाया जाता है।

गो-सेवकों ने की गोशाला शुरू करने की मांग



इधर गो-सेवकों का कहना है कि हमारे क्षेत्र से गौ-तस्करी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौ-माता हमारे क्षेत्र की शान है। सड़कों पर घूम रही बेसहारा गायों के कारण ही तस्कर उन्हें आसानी से उठा ले जाते हैं और आए दिन एक्सीडेंट भी होते हैं। ऐसे में हमारे क्षेत्र में एक बड़ी गौ शाला खोली जाना चाहिए। नहीं तो अब गौ सेवकों के द्वारा उनकी रक्षा के लिए आंदोलन किया जाएगा। साथ ही आरोपियों पर उचित कार्रवाही की जाए। गौ-सेवकों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि सड़कों पर घूम रही गायों को सुरक्षित आश्रय दिया जाए। लखनवास ,संवासी बल्डी स्थित गौशाला लंबे समय से खाली पड़ी है। उसे तत्काल चालू कर बेसहारा गौवंश को वहां रखा जाए, ताकि तस्करी और सड़क हादसों दोनों से बचाव हो सके।

इनका कहना है...

हम इसमें उचित जांच कर कार्रवाई करेंगे जो लोग इसमें सम्मिलित होंगे उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। हमारे थाने क्षेत्र में गो तस्करी बर्दास्त नहीं की जाएगी।

रजनेश सिरोटीया,
थाना प्रभारी मलावर

राजीव गांधी शॉपिंग कॉम्पलेक्स नंबर-2 की दुकानों में से भूटानी स्टूडियो के छत का मलवा गिरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानपुरा/मंदसौर

राजीव गांधी शांपिंग कांपलेक्स नंबर 2 में स्थित भूटानी स्टूडियो की गैलरी की छत से भारी मलवा सोमवार शाम लगभग 4:00 बजे भरभरा कर गिर गया। मलवा गिरने से नीचे रखी भारी भरकम टेबल टूट गई। भूटानी स्टूडियो के संचालक करण भूटानी ने बताया कि वे एवं उनका स्टाफ भाग्यशाली था कि उस समय गिरे 25 से 30 किलो वजन के मलवे के नीचे कोई बैठा नहीं था वरना उसका बचना मुश्किल था। दुकानदार करण, भूटानी, सुरेंद्र मेड़तवाल ,अभिषेक गुप्ता, भागचंद मांदलिया, अशोक मेघवाल, विक्रम चौहान आदि अन्य व्यापारियों ने बताया कि कब नगर परिषद के राजीव गांधी शॉपिंग कांपलेक्स नंबर 1 व 2 की 40 दुकानों की क्षतिग्रस्त क्षेत्र में से कब भारी भरकम छतों का मलवा गिरने से किसी के प्राणों पर संकट आ जाए या कोई गंभीर रूप से घायल हो जाए कह नहीं सकते,व्यापारियों ने कहा कि तत्काल नगर परिषद इन दुकानों की मरम्मत या नई दुकानें बनाकर हमें राहत प्रदान करें क्योंकि दुकान अत्यंत घटिया स्तर की होकर 31 साल से अधिक पुरानी हो चुकी है एवं नगर परिषद द्वारा पूर्व में इन दुकानों की पहली छत पर नया व्यापारिक परिसर बनाने का काम शुरू कर अनेक दुकानों की मुंडेर को तोड़ दिया गया परंतु किसी कारणवश काम नहीं चलने के चलते आज तक टूटी हुई मुंडेर वैसी की वैसी ही है और उसमें से भी वर्षा काल का पानी अनेक दुकानों की छतों एवं दीवारों रिसता रहता है।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी अनेक समाचार पत्रों में नगर परिषद की उपरोक्त खस्ताहाल दुकानों की क्षतिग्रस्त छतों की समस्या को प्रकाशित करने का समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया था परंतु अभी तक नगर परिषद की दुकानों की मरम्मत या नवीन निर्माण कर इस गंभीर मामले में व्यापारियों को राहत देने का कार्य शुरू नहीं हुआ है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं पूर्व तहसीलदार विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि नगर परिषद भानपुरा ने अपनी बैठक में प्रस्ताव पास कर दिया है यह लंबा चौड़ा कार्य है परंतु शीघ्र ही मरम्मत कार्य शुरू कर दुकानों का सुधार एवं मजबूत स्थिति में लाया जाएगा।

दुकानदारों में भारी भय का वातावरण

वैसे तो नगर परिषद भानपुरा द्वारा निर्मित व लीज तथा किराये पर 31 साल पहले 40 दुकानदारों को अलॉट की गई इन दुकानों की छत का मलवा अनेक बार गिरता रहता है साथ ही दुकानों की दिवालों से पानी भी रिसता रहता है परंतु सोमवार शाम को भूटानी स्टूडियो के दुकान की गैलरी के नीचे छत का बड़ा भाग गिरने से व्यापारियों में भारी दहशत का वातावरण है।

कन्या विद्यालय में संस्कृत सप्ताह का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानपुरा /मंदसौर

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भानपुरा में संस्कृत सप्ताह के समापन दिवस का आयोजन गरिमामय एवं सांस्कृतिक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वेद विभूषित पंडित प्रथम भारद्वाज का सानिध्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं संस्कृत भाषा में माँ शारदा की मंगलमयी वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर पंडित प्रथम भारद्वाज ने संस्कृत भाषा की महत्ता, उसके उद्भव एवं प्राचीन काल में उसके गौरवपूर्ण स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने वेदों की प्राचीनता, भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान के संरक्षण में संस्कृत भाषा के योगदान की महत्वपूर्ण जानकारी छात्राओं को प्रदान की। संस्कृत सप्ताह के समापन अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने संस्कृत भाषा में श्लोक, संस्कृत गीत एवं भाषण प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। छात्राओं की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उपस्थित



सभी अतिथियों एवं शिक्षकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्कृत विषय से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालय की वरिष्ठ संस्कृत ज्योति जोशी एवं संस्कृत शिक्षक बालाराम गायरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन भी उन्हीं के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य शेखर वधवा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्राओं को संबोधित करते हुए संस्कृत भाषा के अध्ययन एवं संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, संस्कृति, परंपरा एवं संस्कारों की अमूल्य धरोहर है।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती आशा हरसोला ने सभी अतिथियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्कृत सप्ताह का यह समापन समारोह छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि, गौरव एवं सांस्कृतिक चेतना जागृत करने वाला प्रेरणादायी आयोजन रहा।

रक्षाबंधन के दूसरे दिन बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर उमड़ी यात्रियों की भीड़

बसों में किराया दोगुना, सुविधाएं शून्य व दोगुने यात्री, जान जोखिम में डालकर सफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

बसों का किराया बढ़ाकर सरकार ने यात्रियों की जेब पर बोझ तो बढ़ा दिया, लेकिन यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक सफर मिले, इस ओर जिम्मेदारों का ध्यान नजर नहीं आ रहा है। हाल ही में बस किराए में दोगुनी तक बढ़ोतरी के बाद रक्षाबंधन के दूसरे दिन शनिवार को सारंगपुर से विभिन्न रूटों पर चलने वाली बसों में ओवरलोडिंग की स्थिति देखने को मिली। 40 से 50 सीटर बसों में 60 से 100 तक यात्री सवार नजर आए। सारंगपुर से भोपाल, इंदौर, उज्जैन, कुरावर, शुजालपुर, संडावता सहित अन्य रूटों पर चलने वाली बसों में सीटें भरने के बाद यात्रियों को गलियारों और गेट के पास



खड़े होकर सफर करना पड़ा। कई यात्री दरवाजे पर लटककर यात्रा करते दिखाई दिए। बसों में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। इसके बावजूद बसें सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ती रहीं।

महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी

भीड़ का सबसे ज्यादा खामियाजा महिलाओं और बच्चों को भुगतना पड़ा। कई महिलाएं बच्चों को गोद में लेकर घंटों खड़ी रहीं। एक महिला यात्री ने बताया कि पूरा किराया देने के बावजूद उन्हें सीट नहीं मिली। उनका आरोप था कि बस में इंदौर जाने वाले यात्रियों को सीट दी गई, जबकि अन्य यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ा।

ब्यावरा बस हादसे के बाद भी नहीं दिखी सख्ती

शुक्रवार सुबह ब्यावरा में तेज रफ्तार बस हादसे में चार यात्रियों की मौत और कई लोगों के घायल होने की घटना के अगले ही दिन सारंगपुर में ओवरलोड बसें तेज रफ्तार से दौड़ती नजर आईं। क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर परिवहन अमले की सक्रियता दिखाई नहीं दी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि किराया बढ़ाने के साथ यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन सुनिश्चित करेगा?

रेलवे स्टेशन पर भी रही भारी भीड़

बसों में जगह नहीं मिलने और बढ़े किराए के बीच कई यात्रियों ने रेल यातायात का सहारा लिया। सारंगपुर रेलवे स्टेशन पर भी यात्रियों की भारी भीड़ रही। इंदौर-कोटा और नागदा-बीना सहित अन्य ट्रेनों में बड़ी संख्या में यात्रियों ने सफर किया। ट्रेनों में भी यात्रियों को भीड़ के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा।

किराया बढ़ा तो सुविधाएं क्यों नहीं?

ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता लखन धनगर ने कहा कि किराया बढ़ाने के बावजूद यात्रियों की सुविधाओं और सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बस ऑपरेटरों के हित में किराया बढ़ाया गया, लेकिन यात्रियों के हितों का ध्यान नहीं रखा गया। मनमाने किराए के बावजूद यात्रियों को क्षमता से अधिक संख्या में बसों में भरा जा रहा है और जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठा है। मामले में आरटीओ ज्ञानेंद्र वैश्य से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

लववंशी समाज ने धूमधाम से मनाई आराध्य लव-कुश की जयंती

चल समारोह निकाला, माता सीता की झांकी रही आकर्षण का केंद्र

माचलपुर। लववंशी समाज द्वारा रविवार को अपने आराध्य भगवान लव-कुश की जयंती श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर नगर के गुलाब गार्डन में समाजजनों का बड़ी संख्या में एकत्रीकरण हुआ। यहां से भगवान लव-कुश की भव्य झांकी के साथ विशाल चल समारोह निकाला गया, जिसमें समाज के महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। चल समारोह में भगवान लव-कुश की माता सीता के साथ आकर्षक झांकी सजाई गई थी, जो लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। भगवान का विमान भी विशेष रूप से सजाया गया था। वहीं बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर धार्मिक भावनाओं के साथ चल समारोह में शामिल हुईं। भक्ति और उत्साह से सराबोर चल समारोह में युवक-युवतियां भजनों की धुन पर नाचते-गाते हुए चल रहे थे। ढोल-डीजे और भजनों की गूंज से नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया। समाजजनों में आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।



जगह-जगह हुआ स्वागत

गुलाब गार्डन से प्रारंभ हुआ चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। मार्ग में नगरवासियों द्वारा जगह-जगह पुष्पवर्षा कर भगवान लव-कुश की झांकी का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर जलपान की व्यवस्था भी की गई। स्वागत के दौरान लोगों ने धार्मिक जयकारे लगाए, जिससे पूरा नगर भक्तिमय नजर आया। चल समारोह में शामिल समाजजनों ने पारंपरिक एवं धार्मिक उत्साह के साथ भगवान लव-कुश के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। आयोजन के दौरान समाज की एकजुटता और भाईचारा भी देखने को मिला।

'मन की बात' का 137वां एपिसोड, भाजपाइयों व नेताओं ने सुनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात



हरिभूमि न्यूज ⏭ ब्यावरा

स्थानीय वार्ड क्रमांक 7 स्थित बूथ क्रमांक 74 पर भाजपा कार्यकर्ता अशोक सिंह सेन के निवास पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया गया। एपिसोड में प्रधानमंत्री जी ने भारत के गौरवशाली इतिहास को तकनीक के माध्यम से युवाओं और विद्यार्थियों तक सरलता से पहुँचाने, 'नशा मुक्त भारत' एवं 'नशा मुक्त युवा' अभियान को गति देने, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले नागरिकों के प्रेरणादायी प्रयासों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने आधुनिक खेती, स्वरोजगार के नए अवसरों और महिलाओं की विशिष्ट उपलब्धियों का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि 'मन की बात' यह संदेश देती है कि राष्ट्र का समग्र विकास केवल शासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता, सकारात्मक सोच और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वहीं शहर के मतदान केंद्र क्रमांक 299पर प्रमोद सक्सेना के निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 137वें एपिसोड का रविवार को प्रसारण हुआ। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को नशामुक्त भारत अभियान, तिरंगा अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, आत्मनिर्भर भारत सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने आगामी 3 सितंबर को महानायक उत्तम कुमार की शताब्दी मनाए जाने का उल्लेख किया। वहीं 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व देशभर में धूमधाम से मनाने की बात कही। सितंबर माह में भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाए जाने का भी उल्लेख किया गया। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि इन्दरसिंह लववंशी, बूथ अध्यक्ष संदीप अहिरवार, बूथ महामंत्री पंडित गोलू शर्मा, बूथ क्रमांक 75 अध्यक्ष भरत यादव सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

शयन आरती मंडल की बालिकाओं को शस्त्र वितरित किए गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की सावन के तीसरे सोमवार को शाही पालकी निकालने वाले पशुपतिनाथ शयन आरती मंडल की बालिकाओं को नपा सभापति निर्मला नरेश चंदवानी के द्वारा आत्मरक्षा हेतु शस्त्र वितरित किये गये। शयन आरती मंडल से जुड़ी 50 बालिकाओं को चंदवानी परिवार ने आत्मरक्षा हेतु पशुपतिनाथ मंदिर परिसर स्थित हाल में शस्त्र वितरित किये। इस अवसर पर आरती मंडल के द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ की अष्टमुखी प्रतिमा को सवा लाख भोग लड्डुओं व मठरी का भोग लगाया गया तथा उनकी आरती की गयी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगरध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर व भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष प्रियंका गोस्वामी,



नपाध्यक्ष गुर्जर, जिलाध्यक्ष गोस्वामी, नपा सभापति चंदवानी ने की सहभागिता, शा. महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के पूर्व अध्यक्ष नरेश चंदवानी, भी मंचासीन थे। इस अवसर पर आरती मंडल के आशिष सोनी, अजय भाटी, अर्पण राव, सचिन गुप्ता, यश भाटी, अंकित भाटी, विशाल व्यास सहित कई गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि ये 50 बालिकाये खेल कूद व व्यायाम कला में पारगंत है तथा अखाड़े से जुड़ी इन बालिकाओं को शस्त्र प्रदर्शन हेतु एवं आत्मरक्षा हेतु शस्त्र की आवश्यकता थी जिसे चंदवानी परिवार ने पूरा किया है। नपाध्यक्ष गुर्जर ने इस अवसर पर कहा कि बालिकाओं को शस्त्र चलाना सिखाना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बालिकाये भी बालकों से कम नहीं है। चंदवानी परिवार ने बालिकाओं को शस्त्र दिये है वे उनकी आत्मरक्षा व व्यायाम में सहायक होंगे।

डॉक्टर वीरेंद्र वर्मा को डॉ एसके मुखर्जी स्मृति राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा अवार्ड से सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानपुरा/ मंदसौर

शासकीय चिकित्सालय भानपुरा में 25 सालों से सेवारत नाक कान गला सर्जन डॉ वीरेंद्र कुमार वर्मा को रविवार 30 अगस्त को इंदौर में सत्कार कल्याण समिति के भव्य सम्मान समारोह में 28 वें पद्म भूषण डॉक्टर एस के मुखर्जी स्मृति राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। अहिल्यादेवी होलकर नगरी इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम एबी रोड़ पर आयोजित सम्मान समारोह में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के मुख्य न्यायाधीश माननीय विवेक रूसिया के मुख्य आतिथ्य एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग इंदौर केंद्र के मुख्य निर्देशक प्रोफेसर कौस्तुभ आरएस प्रियोलकर के हाथों सम्मानित किया गया। विगत 25 वर्षों से मुख्य रूप से भानपुरा शासकीय चिकित्सालय में सेवाएं दे रहे डॉक्टर वीरेंद्र वर्मा को कुछ समय स्थानांतरण का सामना करना पड़ा परंतु उनके शुभचिंतकों की मांग के चलते उन्हें भानपुरा में बार- बार अधिकांश समय सेवाएं देने का अवसर मिला। इस अवसर पर समिति के संरक्षक कैलाश मुंशी एवं अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र दिल्लीवाल, सचिव विजय पारेख सहित अनेक प्रदेश की चिकित्सा क्षेत्र में सेवाएं देने वाली हस्तियां मौजूद रही। इस अवसर पर डॉक्टर वीरेंद्र वर्मा का पूरा डॉक्टर परिवार उपस्थित रहा, जिसमें पत्नी डॉक्टर नीलिमा वर्मा, पुत्र डॉक्टर वेदांतराज वर्मा, पुत्री डॉक्टर शैलजा वर्मा शामिल रहे। इस शानदार उपलब्धि पर क्षेत्र के जाने-माने चिकित्सक डॉ पारस नाहर ,डॉक्टर प्रमिला नाहर, मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ बीएल सिसोदिया, शिवराज धाकड़, रफीक मंसूरी, शिवराज धाकड़ आदि ने वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर वीरेंद्र वर्मा को आदमी बधाई प्रदान की।

खबर संक्षेप

कन्हैया को लगेगा मक्खन, पंजीरी का भोग

सीहोर। भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि में हुआ था। इस बार अर्धरात्रि व्यापिनी अष्टमी व वृषभ राशि का चन्द्रमा का दुर्लभ संयोग रहेगा। पंडित सुनील शर्मा के अनुसार इस वर्ष भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव शुक्रवार 4 सितंबर को रोहिणी नक्षत्र में बड़े ही धूमधाम व हर्षोउल्लास मनाया जाएगा। जिले भर के भगवान लक्ष्मीनारायण व श्रीकृष्ण मंदिर में कन्हैयाजी का अभिषेक, श्रृंगार भजनकीर्तन सहित आरती की जाएगी। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान की पूजाअर्चना करने से मनुष्य क तीन जन्मों के पाप दूर हो जाते हैं। और मनुष्य जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त होकर बैकुंठ धाम में निवास करता है। पंडित सुनील शर्मा के अनुसार जन्माष्टमी पर्व पर प्रत्येक सनातन धर्मी को प्रातःकाल व्रत का संकल्प लेना चाहिए। पूरे दिन उपवास रखते हुए श्रीकृष्ण उत्सव की तैयारियां करनी चाहिए। जन्माष्टमी पर्व पर घर के मुख्य द्वार पर बंधन बार पुष्प आदि से पूजा स्थान को सुसज्जित करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण को पंचामृत, नैवेद्य मक्खन ,मिश्री, पंजीरी, तुलसीदल, तथा ऋतु फल भेंट करना चाहिए। भगवान के भजन, उनके चरित्रों का पाठ, गीता पाठ, विष्णु सहस्त्रनाम आदि के पठन एवं श्रवण करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मध्य रात्रि को हुआ था अतः मध्य रात्रि में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन करना चाहिए। बाल गोपाल की प्रतिमा को पंचामृत से स्नान कराना चाहिए तथा यथासंभव पंचोपचार अथवा षोडशोपचार पूजन करना चाहिए। श्रीकृष्ण की बाल प्रतिमा को वस्त्र, यज्ञोपवित, चंदन, इत्र, पुष्प माला, धूप, मक्खन मिश्री एवं पंजीरी का नैवेद्य, ऋतु फल, पान का बीड़ा तथा दक्षिणा समर्पित करना चाहिए।

गेड़ी प्रतियोगिता में 40 गांवों के 156 खिलाड़ियों ने दिखाया दम, ठोकर और धक्का पद्धति में हुए रोमांचक मुकाबले

42 साल से कायम है चरनाल की अनूठी प्रतियोगिता: रक्षा बंधन पर्व पर ग्राम चरनाल में 1984 में शुरू हुई थी परंपरा





बदलते दौर में जब गांवों की कई पुरानी खेल परंपराएं धीरे-धीरे खत्म होती जा रही हैं, वहीं सीहोर जिले की श्यामपुर तहसील का चरनाल गांव अपनी 42 साल पुरानी गेड़ी प्रतियोगिता की परंपरा को आज भी जीवंत रखे हुए हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ दोराहा/अहमदपुर

रक्षाबंधन पर्व के बाद आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिता ग्रामीणों के लिए आकर्षण का केंद्र रहती है। इस वर्ष प्रतियोगिता में 40 गांवों के 156 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपने हुनर और संतुलन का प्रदर्शन किया।

गेड़ी पर चढ़कर आमने-सामने मुकाबला

चरनाल में आयोजित गेड़ी प्रतियोगिता में खिलाड़ी लकड़ी के लंबे डंडों पर बनी गेड़ी पर चढ़कर आमने-सामने मुकाबला करते हैं। खिलाड़ी का उद्देश्य अपने प्रतिद्वंद्वी को संतुलन बिगाड़कर नीचे गिराना होता है। जो खिलाड़ी अंत तक गेड़ी पर अपना संतुलन बनाए रखता है, उसे विजेता घोषित किया जाता है।

प्रतियोगिता में दो पद्धतियों से मुकाबले

ठोकर पद्धति में 52 टीमों, जबकि धक्का पद्धति में 26 टीमों ने हिस्सा लिया। ठोकर पद्धति में प्रतिद्वंद्वी को ठोकर मारकर और धक्का पद्धति में धक्का देकर गिराने का प्रयास किया जाता है। मुकाबले के लिए कोई निश्चित समय सीमा नहीं रहती, हालांकि सामान्य तौर पर 10 से 15 मिनट में परिणाम सामने आ जाता है।

मैदान में दिखा खिलाड़ियों का हुनर

गेड़ी पर संतुलन बनाकर प्रतिद्वंद्वी को गिराना आसान नहीं होता। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, संतुलन और तकनीक का प्रदर्शन किया। जैसे ही कोई खिलाड़ी गेड़ी से नीचे गिरता, मैदान में मौजूद दर्शकों के बीच उत्साह और तालियों की गूंज सुनाई देती। प्रतियोगिता देखने के लिए करीब 50 गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण चरनाल पहुंचे।

विजेताओं को दिए आकर्षक पुरस्कार

आयोजन समिति द्वारा विजेता खिलाड़ियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। ठोकर पद्धति में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विकास सिंह अहिरवार प्रथम स्थान हासिल किया। महेंद्र गौर दूसरे और रामभरोसे तीसरे स्थान पर रहे। वहीं धक्का पद्धति में राजगढ़ जिले के हानापुरा निवासी कान्हा गुर्जर ने पहला स्थान प्राप्त किया। दशरथ सिंह दूसरे और भूरा तीसरे स्थान पर रहे। सीहोर, भोपाल और राजगढ़ जिले के 40 गांवों से आए खिलाड़ियों ने इसमें हिस्सा लिया। सुबह 10 बजे शुरू हुई प्रतियोगिता देर रात तक चली। खिलाड़ियों ने गेड़ी पर संतुलन बनाकर ठोकर और धक्का पद्धति से एक-दूसरे को गिराने का मुकाबला किया।

42 साल से चल रही परंपरा

रक्षाबंधन के अवसर पर गेड़ी लड़ाई प्रतियोगिता कराने की परंपरा करीब 42 वर्षों से चली आ रही है। इस बार ठोकर पद्धति में 52 और धक्का पद्धति में 26 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के चार राउंड कराए गए और अंतिम राउंड के बाद विजेताओं की घोषणा की गई। विजेताओं को एलईडी टीवी, मिक्सर और पंखे दिए दोनों पद्धतियों में प्रथम पुरस्कार एलईडी टीवी, द्वितीय पुरस्कार मिक्सर मशीन और तृतीय पुरस्कार सीलिंग फैन रखा गया था। गेड़ी प्रतियोगिता में दो लंबे लकड़ी के डंडों के ऊपर गेड़ी की जोड़ी बनाई जाती है। खिलाड़ी इन पर चढ़कर आमने-सामने मुकाबला करते हैं। संतुलन खोकर नीचे गिरने वाला खिलाड़ी हार जाता है। ठोकर पद्धति में प्रतिद्वंद्वी को ठोकर मारकर, जबकि धक्का पद्धति में धक्का देकर गिराना होता है। धक्का पद्धति के विजेताओं को भी समिति की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा बेहतर प्रदर्शन करने वाली गेड़ी टीम को अलग से पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

1984 में हुई थी शुरुआत

आयोजन समिति के अनुसार चरनाल में गेड़ी प्रतियोगिता की शुरुआत वर्ष 1984 में हुई थी। तब से यह प्रतियोगिता लगातार आयोजित की जा रही है। रक्षाबंधन पर्व के बाद होने वाली यह प्रतियोगिता अब गांव की पहचान बन चुकी है। आयोजकों का कहना है कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक खेलों को जीवित रखना और नई पीढ़ी को अपनी लोक संस्कृति एवं पारंपरिक खेलों से जोड़ना है। हर वर्ष आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में खिलाड़ी और दर्शक इसमें शामिल होते हैं।

बुजुर्गों और विजेताओं का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान आयोजन समिति की ओर से जनप्रतिनिधियों, गांव के बुजुर्गों और विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। चरनाल की यह 42 साल पुरानी गेड़ी प्रतियोगिता आज भी ग्रामीण खेल और लोक परंपरा की मजबूत पहचान बनी हुई है। हर साल खिलाड़ियों के साथ बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि पारंपरिक खेलों के प्रति ग्रामीणों का उत्साह आज भी बरकरार है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर



शासकीय महाविद्यालय जावरनगर में राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को लघु उद्योगों, स्वरोजगार, उद्यमिता तथा आत्मनिर्भरता के महत्व से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र कुमार शुक्ल ने की तथा मुख्य वक्ता लखन सिंह अटेरिया रहे। मुख्य वक्ता अटेरिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए लघु उद्योगों की संभावनाओं, स्वरोजगार के अवसरों तथा स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवा केवल रोजगार प्राप्त करने वाले न बनकर रोजगार सृजित करने वाले बनें तथा उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य नरेंद्र कुमार शुक्ल ने कहा कि लघु उद्योग देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को लघु उद्योग एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं का लाभ उठाने तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

सुभाष मैदान पर राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

कन्नौद और बड़ोदिया के बीच खेला गया पहला मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



स्थानीय सुभाष मैदान पर उज्जीवन स्मॉल फायनेंस बैंक के तत्वावधान में राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट उज्जीवन कप का आगाज हुआ। खेल प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल को किक मारकर किया। उद्घाटन मैच कन्नौद और बड़ोदिया की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन किया। मैदान दर्शकों के उत्साह और तालियों से गूंजता रहा। खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं, बल्कि वे अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना भी सिखाते हैं। आष्टा की धरती पर इस तरह के राज्य स्तरीय आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे आने और अपनी क्षमता दिखाने का बेहतरीन अवसर मिलता है। उन्होंने बैंक प्रबंधन की इस पहल की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागी टीमों को उत्कृष्ट प्रदर्शन और जीत की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर टूर्नामेंट अध्यक्ष विशाल डोडी, अतीक बारी, द्वारकादादा सोनी, पार्षद डॉ. सलीम खान, अरशद अली, सुशील कुशवाह, उमेर लाला, महेश प्रजापति, डॉ. हसीब खान, परमानंद प्रजापति, मोनू धनगर आदि मौजूद थे।

भैंस चोरी करने वाले आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर



पुलिस अधीक्षक सीहोर सोनाक्षी सक्सेना द्वारा थाना क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीहोर प्रशांत चौबे एवं एसडीओपी आष्टा दामोदर गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जावर उनि. संतोष विश्वकर्मा के नेतृत्व में थाना जावर पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए ग्राम टोलका खेड़ा में हुई भैंस चोरी के मामले का खुलासा करते हुए हुकुम सिंह पिता बिहारीलाल गुर्जर उम्र 38 नि. सम्मसखेड़ी थाना पीपलरावा जिला देवास, राजेंद्र पिता सिद्धू गुर्जर उम्र 28 नि. छापरी बड़ोदिया थाना सुन्दरसी जिला देवास को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

30 अगस्त को फरियादी पुरण सिंह पिता बोन्दाजी मालवीय नि. टोलका खेड़ा थाना जावर ने रिपोर्ट कराई कि कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा ग्वाड़े का ताला तोड़कर मेरी भैंस व पाड़े को चुरा ले गये है। रिपोर्ट पर थाना जावर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अपराध पंजीबद्ध होने के पश्चात वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जावर उनि. संतोष विश्वकर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश की गई। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि चोरी की घटना में शामिल दो आरोपी परोलिया जोड़ दुकान के पास मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों आरोपी ने मिलकर चोरी की घटना करना स्वीकार किया। जिन्हे गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर बताया की चोरी की गई भैंस और पाड़े ग्राम टोलका खेड़ा के पास वाले जंगल मे पेड़ से बांध रखी है जिन्हे विधिवत जप्त कर फरियादि को अस्थाई रूप से सौंपी गई।

पुलिस से सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



जिले में पुलिस विभाग से शासकीय सेवकों के सेवानिवृत्त होने पर उन्हे सम्मानित कर विदाई दी गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभा गृह में विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया। पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना ने सेवानिवृत्त हुये शासकीय सेवकों को सम्मानित किया एवं प्रमाण पत्र दिये। शासकीय सेवकों के अनुभवों को जाना वपरिवार की जानकारी ली तथा सभी को शारीरिक रूप से स्वास्थ्य रहने हेतु शुभकामनायें एवं बधाई दी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत चौबे, रक्षित निरीक्षक उपेंद्र यादव, सूबेदार प्राची राजपूत, उप निरीक्षक राहुल श्रीवास्तव सहित सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के परिजन तथा कार्यालयीन स्टाफ मौजूद रहा।

जितेन्द्र सोनी सहायक उप निरीक्षक के पद से सेवानिवृत्ति हुए हैं इनका सेवाकाल 39 वर्ष 03 माह 08 दिवस रहा हैं। कमलेश राय, प्रधान आरक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुये हैं। इनका सेवाकाल 34 वर्ष 04 माह 11 दिवस रहा हैं। जस्सूलाल सोलंकी, प्रधान आरक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुये हैं। इनका सेवाकाल 28 वर्ष 07 माह 25 दिवस रहा हैं।

सिद्धितप तपस्वियों के सप्त दिवसीय बाधामणा कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

जीवन कर्मों को खपाने के लिए मिला है: श्रीजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर



महिदपुर रोड नवीन महाराणा प्रताप स्टैंड पर चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी डॉ अमृतरसा श्रीजी आदि ठाणा ने उपस्थित समाज जनों को संबोधित करते हुए कहा की चिंतामणि रन के समान मनुष्य का भव हमें खाने के लिए नहीं कर्मों को खपाने के लिए आत्मा को जगाने के लिए मिला है। हमे राग का त्याग कर विराग और वितराग की ओर बढ़ना है। साध्वी डॉ अमृतरसा की पावन कारी निश्रा में सोमवार को 52 सिद्धितप तपस्वियों के सप्त दिवसीय वधामणे मंगल मय कार्यक्रम सकल जैन श्री संघ एवं चातुर्मास समिति द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रथम दिवस गुलाब जल छिड़काव वधामणे का लाभ लाभार्थी श्रेणिक कुमार दिनेश कुमार विरल कुमार रांका चत्तर परिवार नामली द्वारा लिया। साधार्मिक भक्ति प्रभावना एवं संपूर्ण दिवस का लाभ मनीष कुमार हर्ष कुमार चौरडिया परिवार द्वारा लिया गया। वधामणा कार्यक्रम में प्रवचन प्रभावना का लाभ सुरेंद्र कुमार, अतुल कुमार, अनूप कुमार गोरेचा परिवार रतलाम एवं गोकुल धाम परिवार महिदपुर रोड द्वारा लिया। लाभार्थी चत्तर परिवार का बहुमान सकल जैन श्री संघ एवं चातुर्मास समिति द्वारा किया। कार्यक्रम में समाज के सभी महानुभावों ने उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा सम्मेलन में युवाओं को देंगे मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



फिल्म और टेलीविजन जगत के मशहूर अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा पहली बार सीहोर आएंगे। अभिनेता मिश्रा जिला मुख्यालय पर हो रहे युवा सम्मेलन में सम्मिलित होंगे। युवा भाजपा नेता राजकुमार जायसवाल रिंकू के नेतृत्व में युवा सम्मेलन आयोजित होगा। युवाओं और कार्यकर्ताओं के द्वारा इसी दिन युवा भाजपा नेता रिंकू का जन्मदिवस भी मनाया जाएगा।

युवा भाजपा नेता राजकुमार रिंकू जायसवाल ने बताया कि अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। उन्होंने समकालीन और वर्तमान के अनेक युवा फिल्म और टेलीविजन के कलाकारों के साथ फिल्म और टेलीविजन धारावाहिकों में अभिनय किया है। लगभग सभी ने बचपन में उन्हें दूरदर्शन के काल्पनिक टेलीविजन सीरियल चंद्रकांता में क्रूर सिंह की भूमिका में देखा है। अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा ने अनेक फिल्मों में उल्लेखनीय भूमिकाए निभाई है। श्री जायसवाल ने बताया कि 1999 की फिल्म सरफरोश में मिर्ची सेठ के लिए उन्हें अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। उन्होंने फिल्म लगान में अर्जन का किरदार भी निभाया था। वर्ष 2008 में हिंदू महाकाव्य रामायण के टेलीविजन रूपांतरण में राक्षस राजा रावण की भूमिका निभाई। बिहार राज्य के सिवान अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा ने कई फिल्म, धारावाहिकों में अभिनय किया। 19 सितंबर को आयोजित होने वाले युवा सम्मेलन में अभिनेता अखिलेषेंद्र मिश्रा युवाओं को अपना बेहतरीन मार्गदर्शन देंगे और एंटरटेनमेंट भी करेंगे।